13 राज्यों में तूफान-भारी बारिश का अलर्ट! 70km h की रफ्तार से हवाएं

विषय सूची (Table of Contents):

>> देश के 13 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट 70 किमी घंटा की रफ्तार से चलेंगी ...
>> तेज हवाओं और वज्रपात की चेतावनी...
>> मॉनसून की व्यापक सक्रियता...
>> यूपी, बिहार, दिल्ली-NCR और उत्तराखंड में कैसा रहेगा मौसम का हाल?...
>> उत्तर प्रदेश और बिहार में बारिश का पूर्वानुमान...
>> दिल्ली-NCR और उत्तराखंड में मौसम का मिजाज...
>> दक्षिण गुजरात से मध्य केरल तक लो-प्रेशर ट्रफ सक्रिय तमिलनाडु में बारिश का दौर ज...
>> नमी का बढ़ता स्तर और बादलों का निर्माण...
>> तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में बारिश का रुख...
>> राजस्थान के कोटा और भरतपुर में भारी बारिश, 11 जुलाई से मिलेगी थोड़ी राहत...
>> कोटा और भरतपुर संभाग में अत्यधिक भारी बारिश...
>> 11 जुलाई के बाद बारिश में कमी का पूर्वानुमान...
>> केरल के मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में ऑरेंज अलर्ट जारी...
>> ऑरेंज अलर्ट वाले प्रमुख जिले...
>> आपदा प्रबंधन और राहत कार्य...
>> अंडमान सागर में जाने वाले मछुआरों के लिए मौसम विभाग की चेतावनी...
>> अंडमान सागर में तूफानी हवाओं का अलर्ट...
>> मछुआरों के लिए सख्त निर्देश...
>> आंधी और भारी बारिश के दौरान बरतें ये जरूरी सावधानियां...
>> सुरक्षा के लिए मुख्य दिशा-निर्देश...
>> निष्कर्ष...
>> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)...

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने देश के मौसम को लेकर एक महत्वपूर्णlatest updateजारी किया है। दक्षिण-पश्चिम मॉनसून की बढ़ती सक्रियता के कारण देश के कई हिस्सों में झमाझम बारिश और तेज आंधी का दौर शुरू हो चुका है। मौसम विभाग ने देश के 13 प्रमुख राज्यों में भारी वर्षा, वज्रपात और तूफान की चेतावनी जारी की है।

इस मौसम चक्र के दौरान कई इलाकों में हवा की गति 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। यदि आप भी यात्रा की योजना बना रहे हैं या अपने क्षेत्र के मौसम काstatusजानना चाहते हैं, तो यह विस्तृत रिपोर्ट आपके लिए अत्यंत आवश्यक है। उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत तक मौसम में हो रहे इस बड़े बदलाव से जनजीवन पर व्यापक प्रभाव पड़ने की संभावना है।

देश के 13 राज्यों में बारिश और तूफान का अलर्ट: 70 किमी घंटा

मौसम विभाग के ताजा बुलेटिन के अनुसार, देश के 13 राज्यों में अगले 48 से 72 घंटों के दौरान भारी प्राकृतिक हलचल देखने को मिल सकती है। वायुमंडल में बन रहे मजबूत सिस्टम के कारण चक्रवातीय परिसंचरण और आंधी-तूफान की तीव्रता बढ़ेगी।

तेज हवाओं और वज्रपात की चेतावनी

मौसम वैज्ञानिकों का अनुमान है कि प्रभावित राज्यों में 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज धूलभरी हवाएं और आंधी चलने के आसार हैं। इस दौरान आकाशीय बिजली गिरने (Lightning strike) का खतरा भी बना रहेगा। प्रशासन ने नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर रहने की सलाह दी है। देश विदेश की अन्य प्रमुख खबरों की जानकारी के लिए आपअमेरिका का बड़ा एक्शन: भारत समेत 60 देशों पर लगा 10% एक्स्ट्रा टैरिफ!रिपोर्ट भी पढ़ सकते हैं।

मॉनसून की व्यापक सक्रियता

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून भारत के विभिन्न भौगोलिक क्षेत्रों में तेजी से आगे बढ़ रहा है। नमी युक्त हवाओं के कारण मैदानी और पहाड़ी दोनों क्षेत्रों में बारिश की तीव्रता में अचानक वृद्धि देखी जा रही है।

यूपी, बिहार, दिल्ली-NCR और उत्तराखंड में कैसा रहेगा मौसम का

उत्तर भारत के मैदानी इलाकों और पर्वतीय क्षेत्रों में मॉनसून का असर बेहद स्पष्ट नजर आ रहा है। उत्तर प्रदेश, बिहार, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली (Delhi-NCR) और उत्तराखंड में अलर्ट जारी किया गया है।

उत्तर प्रदेश और बिहार में बारिश का पूर्वानुमान

यूपी और बिहार के अधिकांश जिलों में गरज-चमक के साथ मध्यम से भारी बारिश होने का अनुमान है। निचले इलाकों में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो सकती है। किसानों के लिए यह बारिश खेती के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण मानी जा रही है, लेकिन तेज हवाओं से फसलों को नुकसान की आशंका भी है।

दिल्ली-NCR और उत्तराखंड में मौसम का मिजाज

>> दिल्ली-NCR:दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद और गुरुग्राम में रुक-रुक कर बारिश होने से तापमान में गिरावट आएगी और उमस से राहत मिलेगी।

>> उत्तराखंड:पहाड़ी क्षेत्रों में भूस्खलन (Landslide) और बादल फटने जैसी घटनाओं का खतरा बढ़ जाता है। चमोली, उत्तरकाशी और नैनीताल जिलों में विशेष सावधानी बरतने के निर्देश दिए गए हैं।

दक्षिण गुजरात से मध्य केरल तक लो-प्रेशर ट्रफ सक्रिय: तमिलनाड

दक्षिण और पश्चिमी भारत में मौसम प्रणाली अत्यधिक सक्रिय हो चुकी है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार, दक्षिण गुजरात के तट से लेकर मध्य केरल तक एक विशाल लो-प्रेशर ट्रफ (Low-Pressure Trough) रेखा बनी हुई है।

नमी का बढ़ता स्तर और बादलों का निर्माण

यह ट्रफ रेखा अरब सागर से भारी मात्रा में नमी खींच रही है। इसके प्रभाव से वायुमंडल में सघन बादलों का निर्माण तेजी से हो रहा है, जिससे तटीय इलाकों में लगातार वर्षा की स्थिति बनी हुई है। देश में हो रहे बड़े प्रशासनिक बदलावों और योजनाओं की जानकारी के लिएगरीब कल्याण सम्मेलन, शिमला में प्रधानमंत्री का सम्लेख भी देखें।

तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में बारिश का रुख

लो-प्रेशर ट्रफ के चलते तमिलनाडु के कई जिलों में रुक-रुक कर मूसलाधार बारिश का दौर जारी है। शहरी क्षेत्रों में यातायात बाधित होने की खबरें आ रही हैं। मौसम विभाग का कहना है कि अगले कुछ दिनों तक यह स्थिति बनी रह सकती है।

राजस्थान के कोटा और भरतपुर में भारी बारिश, 11 जुलाई से मिलेग

राजस्थान में मॉनसून पूरी तरह से मेहरबान दिख रहा है। राज्य के पूर्वी और दक्षिणी संभागों में पिछले 24 घंटों के दौरान रिकॉर्ड तोड़ वर्षा दर्ज की गई है।

कोटा और भरतपुर संभाग में अत्यधिक भारी बारिश

कोटा और भरतपुर संभाग के जिलों में बहुत भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। नदियों और स्थानीय नालों का जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। कई ग्रामीण इलाकों का जिला मुख्यालयों से संपर्क कटने की कगार पर है।

11 जुलाई के बाद बारिश में कमी का पूर्वानुमान

मौसम विभाग की रिपोर्ट के अनुसार, 11 जुलाई 2026 से राजस्थान के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियों में थोड़ी कमी देखने को मिल सकती है। अगले एक सप्ताह तक राज्य में हल्की से मध्यम बारिश ही होने की संभावना है, जिससे राहत कार्य तेजी से चलाए जा सकेंगे।

केरल के मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में ऑरेंज अलर्ट जारी

दक्षिण भारत के केरल राज्य में लगातार हो रही मूसलाधार बारिश ने स्थिति को गंभीर बना दिया है। मौसम विभाग ने राज्य के पहाड़ी और तटीय जिलों के लिए उच्च स्तरीय चेतावनी जारी की है।

ऑरेंज अलर्ट वाले प्रमुख जिले

मौसम विभाग (IMD) ने केरल के तीन प्रमुख जिलों मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में भारी से बहुत भारी बारिश की आशंका व्यक्त करते हुए ऑरेंज अलर्ट (Orange Alert) घोषित किया है।

आपदा प्रबंधन और राहत कार्य

>> भूस्खलन का खतरा:वायनाड और मलप्पुरम के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन की संभावना को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (NDRF) की टीमों को तैनात कर दिया गया है।

>> रेड अलर्ट की संभावना:यदि बारिश की तीव्रता और बढ़ती है, तो इन जिलों में रेड अलर्ट भी जारी किया जा सकता है। आपातकालीन स्थिति में नागरिकों को सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहने को कहा गया है। समुद्र की सतह और इंजीनियरिंग से जुड़े वैज्ञानिक तथ्यों को समझने के लिए पढ़ेंसमुद्र के नीचे कैसे बनती हैं विशाल सुरंगें? रहस्य खुला! ।

अंडमान सागर में जाने वाले मछुआरों के लिए मौसम विभाग की चेताव

तटीय और समुद्री क्षेत्रों में प्रतिकूल मौसम की स्थिति को देखते हुए मौसम विभाग ने मछुआरों और समुद्री जहाजों के लिए विशेष चेतावनी जारी की है।

अंडमान सागर में तूफानी हवाओं का अलर्ट

10 से 12 जुलाई के बीच अंडमान सागर और उससे सटे बंगाल की खाड़ी के हिस्सों में समुद्र बहुत उग्र रहेगा। इस दौरान 45 से 55 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने की संभावना है, जो बढ़कर 65 किमी घंटा तक पहुंच सकती हैं।

मछुआरों के लिए सख्त निर्देश

मौसम विभाग ने चेतावनी जारी करते हुए कहा है कि 10 से 12 जुलाई तक मछुआरे समुद्र में गहराई तक जाने से बचें। जो मछुआरे पहले से समुद्र में हैं, उन्हें तुरंत तट पर लौटने की सलाह दी गई है।

आंधी और भारी बारिश के दौरान बरतें ये जरूरी सावधानियां

खराब मौसम, तेज हवाओं और भारी बारिश के समय जान-माल की सुरक्षा के लिए कुछ बुनियादी नियमों का पालन करना अनिवार्य है। प्रशासन ने नागरिकों से सतर्कता बरतने की अपील की है।

सुरक्षा के लिए मुख्य दिशा-निर्देश

>> कच्चे मकानों और पेड़ों से दूर रहें:आंधी के दौरान पुराने पेड़ों, जर्जर इमारतों और बिजली के खंभों के नीचे शरण न लें।

>> बिजली के उपकरणों का सही इस्तेमाल:आकाशीय बिजली चमकने के समय घर के इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों को अनप्लग कर दें।

>> यात्रा से बचें:भारी बारिश और ऑरेंज अलर्ट वाले क्षेत्रों में अनावश्यक यात्रा करने से बचें। रास्ते में जलभराव या सड़क धंसने का जोखिम हो सकता है।

>> सरकारी अपडेट पर नज़र रखें:मौसम विभाग और local आपदा प्रबंधन प्राधिकरण द्वारा जारी की जाने वाली गाइडलाइंस औरPDF listबुलेटिन को नियमित रूप सेcheckकरते रहें।

निष्कर्ष

दक्षिण-पश्चिम मॉनसून और लो-प्रेशर ट्रफ के प्रभाव से भारत के 13 राज्यों में मौसम की स्थिति चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। उत्तर भारत के यूपी, बिहार, दिल्ली और उत्तराखंड से लेकर दक्षिण भारत के केरल और तमिलनाडु तक व्यापक वर्षा दर्ज की जा रही है। राजस्थान में भारी बारिश के बाद 11 जुलाई से राहत मिलने की उम्मीद है, वहीं समुद्र में उथल-पुथल को देखते हुए अंडमान सागर में मछुआरों को सतर्क रहने की सलाह दी गई है। सभी नागरिक मौसम विभाग के दिशा-निर्देशों का पालन करें और सुरक्षित रहें।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न (FAQs)

मौसम विभाग (IMD) ने देश के कुल 13 राज्यों में भारी बारिश, वज्रपात और तेज आंधी चलने की चेतावनी जारी की है।

प्रभावित क्षेत्रों में हवाओं की गति 50 से 70 किलोमीटर प्रति घंटे तक पहुंचने की संभावना व्यक्त की गई है।

दक्षिण गुजरात से मध्य केरल तक फैली लो-प्रेशर ट्रफ (Low-Pressure Trough) रेखा नमी बढ़ा रही है, जिससे लगातार बादल बन रहे हैं और बारिश हो रही है।

केरल के तीन जिलों मलप्पुरम, कोझिकोड और वायनाड में मूसलाधार बारिश को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट घोषित किया गया है।

राजस्थान के कोटा और भरतपुर संभाग में भारी बारिश का अनुमान है। हालांकि 11 जुलाई से राज्य के अधिकांश हिस्सों में बारिश की गतिविधियों में कमी आने की संभावना है।

10 से 12 जुलाई के बीच अंडमान सागर में 55 किमी घंटे तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, इसलिए मछुआरों को समुद्र में न जाने की सलाह दी गई है।

दिल्ली-NCR में आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और कई इलाकों में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है, जिससे तापमान सामान्य बना रहेगा।

यूपी और बिहार में मॉनसून सक्रिय है। कई जिलों में आकाशीय बिजली चमकने और तेज आंधी के साथ भारी बारिश होने की संभावना है।

बिजली कड़कने पर खुले मैदान, पेड़ के नीचे या लोहे के खंभों के पास खड़े न हों। पक्के मकान के अंदर रहें और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण बंद रखें।

जी हां, उत्तराखंड के पहाड़ी इलाकों में मूसलाधार बारिश के चलते लैंडस्लाइड और मार्ग बाधित होने का जोखिम काफी अधिक है।

यह कम वायुमंडलीय दबाव का एक लंबा क्षेत्र होता है जो नमी को आकर्षित करता है और संबंधित क्षेत्रों में लगातार बारिश का कारण बनता है।

आप IMD की आधिकारिक वेबसाइट (mausam.imd.gov.in) पर जाकर अपने शहर का मौसम status, latest update और 2026 बुलेटिन PDF list जांच सकते हैं।